



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 31, 1981/माघ 11, 1902
No. 5] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 31, 1981/MAGHA 11, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संव राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)
कन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued
by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and
by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

वित्त मंत्रालय

(प्राथमिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 104—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने एतद्वारा वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग में अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती नियमावली, 1980 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाए हैं अर्थात्—

1 (1) ये नियम वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग, अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 कहें जाएंगे।
(2) ये नियम इनके सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2 वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग, अनुसंधान सहायक का (कार्य अध्ययन) भर्ती नियमावली 1980 में—

(1) वर्तमान प्रस्तावना के स्थान पर निम्नलिखित प्रस्तावना होती अर्थात्—

“संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग, अनुसंधान सहायक भर्ती नियमावली, 1975 के अतिरिक्त में राष्ट्रपति ने एतद्वारा वित्त मंत्रालय, प्राथमिक कार्य विभाग

में अनुसंधान सहायक (कार्य अध्ययन) के पद पर भर्ती की प्रणाली को विनियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाए हैं, अर्थात्—”

(2) नियम 5 में अन्तिम पंक्ति के “पदों अथवा”, शब्दों को हटा दिया जाएगा।

[सं० ए० 12018/3/80-प्र० 1]
ति० बा० कृष्णा स्वामी, सचिव सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 8th January, 1981

G.S.R. 104—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Research Assistant (Work Study) Recruitment Rules, 1980 namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Research Assistant (Work Study) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Research Assistant (Work Study) Recruitment Rules, 1980 :—

(i) for the existing preamble, the following preamble shall be substituted, namely :—

“in exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Research Assistant Recruitment Rules, 1975, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the posts of Research Assistant (Work Study) in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, namely :—”

(ii) in rule 5, in the last line the words “posts or” shall be deleted.

[No: A. 12018/3/80-Admn. I]
T. B. KRISHNASWAMI, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 103.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 299 की धारा (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 की धारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को उधार करार [सुन्दरवन विकास परियोजना (उधार सं० 49-आई० एन०)] निष्पादन और अधिप्रमाणन नियम 1981 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार और अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास निधि के बीच सुन्दरवन विकास परियोजना (उधार सं० 49-आई० एन०) से सम्बद्ध उधार करार के उपबन्धों के अनुसरण में संघ की कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सभी आवेदन पत्र, प्रमाण पत्र अथवा दस्तावेज, जिन पर हस्ताक्षर करना अनुज्ञात हो अथवा जिन्हें निष्पादित किया जाना हो या निष्पादित करना अनुज्ञात हो, राष्ट्रपति की और से वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के किसी वरिष्ठ लेखा अधिकारी या लेखा अधिकारी या कनिष्ठ लेखा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित, निष्पादित और अधि-प्रमाणित किए जाएंगे।

राष्ट्रपति के आदेश और नाम से।

[संख्या 11(4)/80-एफ०बी० VIII]
जि० रंगाराम, निदेशक

New Delhi, the 8th January, 1981

G.S.R. 105.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules, namely :—

1. (1) These rules may be called the Loan Agreement [Sundarban Development Project (Loan No. 49-IN)] Execution and Authentication Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. All applications, certificates or other documents required or permitted to be signed or executed in exercise of the executive power of the Union in pursuance of the provisions of the Loan Agreement relating to the Sundarban Development Project (Loan No. 49-IN), entered into between the Government of India and the International Fund for Agricultural Development, shall be signed or executed and authenticated on behalf of the President by any of the Senior Accounts Officers or Accounts Officers or Junior Accounts Officers in the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

By order and in the name of the President.

[No. 11 (4)/80-FB. VIII]
G. RANGA RAO, Director.

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 106.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा भारत सरकार टकसाल (श्रेणी I और श्रेणी II के पद) भरती नियमावली, 1965 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को भारत सरकार टकसाल (श्रेणी I और श्रेणी II के पद) (भरती संशोधन) नियमावली, 1981 कहा जाएगा।

(2) ये नियम इनके राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारत सरकार टकसाल (श्रेणी I और श्रेणी II के पद) भरती नियमावली, 1965 की अनुसूची में टकसाल मास्टर के पद में संबंधित क्रम संख्या 1 के सामने, कालम 10 और 11 के नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टियाँ जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

कालम 10

कालम 11

“66. 2/3 प्रतिशत पदोन्नति द्वारा “पदोन्नति :

जिसके न होने पर स्थानान्तरण उप टकसाल मास्टर जिसकी ग्रेड पर प्रतिनियुक्ति द्वारा (अल्पा-वधिक संविदा सहित) और इन में 5 वर्ष की नियमित सेवा हो।

दोनों के न होने पर सीधे भरती प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा; 33. 1/3 प्रतिशत सीधे (अल्पावधिक संविदा सहित): भरती द्वारा।”

केन्द्रीय सरकार/ राज्य सरकारों/ सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों/अर्ध-सरकारी संविधिक या स्वायत्त-शासी संगठनों के अधीनस्थ अधिकारी जो समान पदों पर रहें हो अथवा जिनकी 1500-1800/ 2000 रुपए के अथवा इसके समकक्ष वेतन मान के पदों पर 5 वर्ष की सेवा हो और जो सीधे भरती किए जाने वालों के लिए निर्धारित की गई शैक्षिक अर्हता रखते हों।

(प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।”

[सं० एफ० 2/61/79-कोईनेज]
सी० जी० पयरोज, अवर सचिव

New Delhi, the 13th January, 1981

G.S.R. 106.—In exercise of the powers conferred by the Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the India Government Mints (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the India Government Mints (Class I and Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the India Government Mints (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1965, against serial number 1 relating to the post of Mint Master, for the existing entries under column 10 and 11, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

Column 10

Column 11

"66.2/3% by promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract) and failing both by direct recruitment; 33.1/3% by direct recruitment."

"Promotion Deputy Mint Master with 5 years regular service in the grade."

Transfer on deputation (including short-term contract)

Officers under the Central Government/State Governments/Public Sector Undertakings Semi-Government Statutory or Autonomous Organisations holding analogous posts or with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 1500-1800/2000 or equivalent and possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits. (Period of deputation/contract shall not exceed 5 years)."

[No. F. 2/61/79-Coin]

C.G. PATHROSE, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1981

सा. का. नि. 107.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, व्यय विभाग (सिविल) वित्त मंत्रालय (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1969 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम व्यय विभाग (सिविल) वित्त मंत्रालय (वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 है।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. व्यय विभाग (सिविल) वित्त मंत्रालय (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1969 में, नियम 4-क के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"4-क :—चपरासी के रूप में नियुक्त व्यक्तियों का होमगार्ड के रूप में प्रशिक्षण लेने का दायित्व :

इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, इन नियमों के अधीन चपरासी के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति होमगार्ड के रूप में तीन वर्ष का प्रशिक्षण लेगा :

परन्तु प्रशिक्षण के दौरान किसी व्यक्ति के कार्य तथा उसके द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण स्तर को ध्यान में रखते हुए महासभा बैठता, होमगार्ड उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके, ऐसी अवधि को घटा कर दो वर्ष कर सकेगा"।

[सं. ए-12018/1/77-ई-1 (सी)]

लोकेन्द्र नाथ शर्मा, अवर सचिव

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 2nd January, 1981

G.S.R. 107.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Expenditure (Civil), Ministry of Finance (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Department of Expenditure (Civil), Ministry of Finance (Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Expenditure (Civil), Ministry of Finance (Class IV posts), Recruitment Rules, 1969 for rule 4A, the following rule shall be substituted, namely :—

"4A. Liability of Persons Appointed as Peons to undergo Training as Home Guards :—

Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a Peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years :

Provided that the Commandant General Home Guards, may, having regard to the performance of and standard of training achieved by any person during the period of training, reduce such period to two years for reasons to be recorded in writing."

[No. A-12018/1/77-E.I.(C)]

L. N. SHARMA, Under Secy.

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1981

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 608.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 36/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के परन्तुक के खण्ड (क) में, मद (viii) के स्थान पर निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

"(viii) स्नेहक तेल और हल्के बीज तेल के विनिर्माण के लिए फीस स्टॉक के शोधन की प्रक्रिया में विनिर्मित विलायक के रूप में, और"

[अधिसूचना सं. 7/81 के. उ. शु. फा. सं. 83/1/78-के. उ. शु. 3]
जी. एन. भागचन्दानी, अवर सचिव

(Department of Revenue)

New Delhi, the 31st January, 1981

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 108.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 35/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973, namely :—

In clause (a) of the proviso of the said notification, for the item (viii), the following item shall be substituted namely :—

"(viii) as a dewaxing solvent in the process of purification of feed stock for manufacture of lubricating oils and light diesel oil; and"

[Notification No. 7/81-C.E.-F. No. 83/1/78-CX. 3]
G. N BHAGCHANDANI, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1981

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 107.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पादशुल्क (दूसरा संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56-ख के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

“56-ख कतिपय प्रयोजनों के लिये परिरूपित उत्पाद-शुल्क माल का अर्द्ध-परिरूपित माल बन्धपत्र पर हटाने के लिये विशेष प्रक्रिया :

कलक्टर, विशेष आदेश द्वारा और विनिर्माता द्वारा बन्धपत्र के निष्पादन के अधीन रहते हुए और ऐसी अन्य शर्तों के, जो कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएँ, अधीन रहते हुए, शुल्क का संदाय किये बिना विनिर्माता को—

(i) ऐसे उत्पाद-शुल्क माल को जो अर्द्ध परिरूपित प्रकृति का है, कतिपय विनिर्माण प्रक्रियाएँ करने के लिये, या

(ii) परीक्षण के लिये उत्पाद शुल्क माल को,

अपने किसी अन्य परिसर या किसी अन्य व्यक्ति के परिसरों में हटाने और अपने कारखाने या अपने किसी अनुज्ञप्त परिसर या किसी अन्य निर्धारित के परिसर में ऐसे माल को पुनः वापस लाने की अनुज्ञा दे सकेगा और उसके ऐसे किसी अन्य परिसरों या ऐसे निर्धारित के, जिसे माल भेजा गया है, परिसरों से, ऐसे माल को निर्यात के लिये शुल्क का संदाय करने पर या शुल्क का संदाय किये बिना हटाये जाने के लिये अनुज्ञा दे सकेगा ;

परन्तु यह नियम, “आवि प्ररूप (कोटो-टाइप)” नाम से ज्ञात ऐसे माल को लागू नहीं होगा, जो परीक्षा या विकास परीक्षण के लिये भेजा जाता है।

[अधिसूचना सं० 6/81-के०उ०शु०/फा०सं० 212/4/80-सी०एक्स०-6]

ह/०सपठनीय,
अवर सचिव

New Delhi, the 31st January, 1981

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 109.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (2nd Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. For rule 56-B of the Central Excise Rules, 1944, the following rule shall be substituted, namely:—

“56-B. Special procedure for removal in bond of finished excisable goods or semi-finished goods for certain purposes.—The Collector may, by special order and subject to the execution of a bond by the manufacturer and subject to such conditions as may be specified by the Collector, permit a manufacturer to remove—

(i) excisable goods which are in the nature of semi-finished goods, for carrying out certain manufacturing processes, or

(ii) excisable goods for carrying out tests,

to some other premises of his or to the premises of another person and to bring back such goods to his factory, without payment of duty, or to some other licensed premises of his or to the premises of another assessee and allow these goods to be removed on payment of duty or without payment of duty for export from such other licensed premises of his or from the premises of such assessee to whom the goods have been sent :

Provided that this rule shall not apply to the goods known as “proto-types” which are sent out for trial or development test.

[Notification No. 6/81-CE (F. No. 212/4/80-CX. 6)]

Sd/- Illegible
Under Secy.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1981

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 110.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (तीसरा संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56-क के उप-नियम (2) के दूसरे परन्तुक के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण :—आगत की बाबत अनुज्ञात शुल्क की छूट से इस आधार पर इन्कार नहीं किया जाएगा या उसमें परिवर्तन नहीं किया जाएगा कि ऐसी सामग्री का भाग या उसके संघटक भाग परिरूपित उत्पाद-शुल्क माल के विनिर्माण की प्रक्रिया के दौरान निकले किसी अपशिष्ट, कचरे या उपोत्पाद में अन्तर्विष्ट है और ऐसा इस तथ्य के होते हुए भी किया जाएगा कि ऐसा अपशिष्ट कचरा या उपोत्पाद उस पर उद्-ग्रहणीय सम्पूर्ण उत्पाद शुल्क से छूट प्राप्त है या उस पर किसी भी दर से शुल्क प्रभाव नहीं है या वह उप-नियम (1) के अधीन अधिसूचित नहीं है।”।

[अधिसूचना सं० 8/81-के०उ०शु०/फा० सं० 211/37/80-

सी. एक्स.-6]

डी. मेहता, अवर सचिव

New Delhi, the 31st January, 1981

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 110.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Excise (3rd Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, in sub-rule (2), after the second proviso, the following Explanation shall be inserted, namely:—

“Explanation.—Credit of the duty allowed in respect of any material or component parts shall not be denied or varied on the ground that part of such material or component parts is contained in any waste, refuse or by-product arising during the process of manufacture of the finished excisable goods irrespective of the fact that such waste, refuse or by-product is exempt from the whole of the duty of excise leviable thereon or is chargeable to nil rate of duty or is not notified under sub-rule (1).”

[Notification No. 8/81-CE/F. No. 211/37/80-CX. 6]

D. MEHTA, Under Secy.

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 111.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नागरिक पूर्ति मंत्रालय (सहायक निदेशक और मापिकी सहायक), भर्ती नियम, 1977 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नागरिक पूर्ति और सहायक मंत्रालय (सहायक निदेशक और मापिकी सहायक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख का प्रभूत होंगे।

2. नागरिक पूर्ति और सहायक मंत्रालय (सहायक निदेशक और मापिकी सहायक) भर्ती नियम, 1977 के नियम 6 में, अंत में आने वाले "या पदों" शब्दों का लोप किया जाएगा।

[का० म० ए-12011/57/76-स्था०-(2)]

मोहन लाल जाटव, अवसर सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

New Delhi, the 6th January, 1981

G.S.R. 111.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Assistant Director and Metrological Assistant) Recruitment Rules, 1977, namely :—

(1) These rules may be called the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Assistant Director and Metrological Assistant) Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Ministry of Civil Supplies and Cooperation (Assistant Director and Metrological Assistant) Recruitment Rules, 1977, in rules 6, the words "or posts" occurring at the end shall be omitted.

[File No.-12011/57/76-Estt. (II)]

M. L. JATAV, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 112 :—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 7 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 657 तारीख 12 मार्च, 1956 के साथ प्रकाशित आन्ध्रप्रदेश कोयला खान भविष्य निधि स्कीम का और संशोधन करने के लिए, निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्—

1. (i) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि (संशोधन) स्कीम, 1981 है।

(ii) यह 25 नवम्बर, 1974 में प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

2 आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि स्कीम के पैरा 33 के उप-पैरा (2) में, खण्ड (V) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(vi) यदि सदस्य को सदैव रकम, किसी अधिकारवान दावेदार से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा निकाली जाती है और ऐसे व्यक्ति

को संवत् की जाती है अथवा यदि ऐसी रकम अधिकारवान दावेदार से भिन्न किसी व्यक्ति को, मनीआर्डर द्वारा या खाने में जमा होने वाले बैंक द्वारा बिप्रेषित की जाती है तो यथास्थिति, सदस्य को या मृत सदस्य के नामनिर्देशित या विधिक वारिस या प्रतिनिधि को संभाल करने के लिए।”

व्याख्यात्मक शायन

आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि योजना के पैरा 41 के उप पैरा (5) में यह व्यवस्था है कि उक्त पैरा के उप-पैरा (1) और (2) में निर्धारित कुछ शर्तों के अधीन निधि के लिए अन्न की गई मारी धन-राशि निधि के “आरक्षित लेखे” में जमा की जाएगी। उसी योजना के पैरा 33 (2) में यह व्यवस्था है कि पैरा 41 के उप-पैरा (5) के अधीन आरक्षित लेखे में जमा की गई ऐसी राशि, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार, निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए व्यय की जाएगी, अर्थात् मृत सदस्यों के नामित व्यक्ति या वारिस या कानूनी प्रतिनिधि को वित्तीय सहायता प्रदान करना; कोयला खानों में दुर्घटनाओं से मारे गए या अर्पण हुए कर्मचारियों के आश्रितों के लाभ के लिए किसी भी योजना के लिए पूंजी प्रदान करना; सेवा-निवृत्त सदस्यों और मृत सदस्यों के नामित व्यक्तियों या वारिसों या कानूनी प्रतिनिधियों को अवायगी करना, जहां ऐसे सदस्यों के संबंध में उनके नियोजकों ने निधि में भविष्य निधि के अंशदान की या तो पूरी या आंशिक राशि जमा नहीं कराई है; इस योजना के अंतर्गत सदस्यों को मंजूर की गई ब्याज-दर को स्थिर रखना और लेट-फीस तथा अन्य ऐसे खर्चों का भुगतान करना, जो जीवन बीमा निगम ऐसे मामलों में वसूल करें, जहां पैरा 43 (ग) के अधीन निधि द्वारा दिए गए धन से किसी पालिसी के प्रीमियम को जमा कराने में संबंधित सदस्य के कमर के बिना देरी हुई हो या जहां कहीं ऐसी पालिसी को, जिसका संबंधित सदस्य के कमर के बिना पालिसी सैप्स होने के कारण पेड-अप कर दी गई हो, फिर से खालू करना हो।

2. इस विशेष मामले में, खाने में जमा होने वाले बैंक का, जो कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त द्वारा एक सदस्य को उसके कोयला खान भविष्य निधि की बकाया राशि के अंतिम भुगतान के बारे में जारी किया गया था; सदस्य से भिन्न किसी और को नगद भुगतान कर दिया गया। कोयला खान भविष्य निधि योजना में ऐसा कोई उपबन्ध नहीं है कि ऐसे मामले में सेवा मुक्त सदस्यों या नामित व्यक्तियों को भुगतान किया जाए जहां भुगतान के लिए उसके पक्ष में बैंक एक बारीं जारी किया गया और डाक द्वारा भेजा गया बैंक उसे प्राप्त हो जाता है, परन्तु उसका नकद भुगतान किसी और व्यक्ति को हो जाता है। तथापि, कुछ मामलों में, न्यासी बोर्ड ने ऐसे मामलों में भुगतान की सिफारिश की और विशेष मामलों के रूप में बकाया राशि सरकार द्वारा मंजूर की गई, ताकि सम्बन्धित सदस्यों को कठिनाई न हो। इस अधिसूचना का उद्देश्य योजना में ऐसी व्यवस्था करने का है ताकि ऐसे मामलों में आरक्षित लेखे में से भुगतान किया जा सके तथा इसे 25 नवम्बर 1974 से पूर्वादेश प्रभाव से लू किया जा सके ताकि इसमें पुराने मामले भी आ सकें। कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1948 की धारा 6 में यह निर्धारित किया गया है कि उसके अधीन बनाई गई योजना में यह व्यवस्था हो कि इसके कोई भी उपबन्ध ऐसी तारीख से या तो अप्रदर्श या पूर्वादेश प्रभाव से लागू होने जो इस संबंध में दिविष्ट की जाए इस संशोधन को पूर्वापक्षी प्रभाव से लागू करने से आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि योजना के किसी भी सदस्य के हितों पर प्रतिदुर्न प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० आर-11014/17/78-सी०एम०डब्ल्यू०(सी०एफ०) (1)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 13th January, 1981

G.S.R. 112.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 7 of the Coal Mines Provident

Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund Scheme published with the notification of Government of India in the Ministry of Labour No. S.R.O. 657, dated the 12th March, 1956, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund (Amendment) Scheme, 1981.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 25th day of November, 1974.

2. In the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund Scheme, in sub-paragraph (2) of paragraph 33, after clause (v), the following clause shall be inserted, namely :—

“(vi) for making payment to the member, or to the nominee or legal heir or representatives of deceased member, as the case may be, where the amount payable to the member, is either withdrawn and paid to a person other than a rightful claimant or where such amount, when remitted by money order or by an account payee cheque, is paid to a person other than a rightful claimant.”.

EXPLANATORY MEMORANDUM

Sub-paragraph (5) of paragraph 41 of the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund Scheme provides that all sums forfeited to the Fund under certain conditions laid down in sub-paragraph (1) and (2) of the same paragraph shall be credited to the “Reserve Account”. Paragraph 33 (2) of the same Scheme provides that the amount so credited to Reserve Account under sub-paragraph (5) of paragraph 41, may in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for the purposes such as providing financial assistance to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members, for financing any scheme for the benefit of the dependents of employees killed or disabled in accidents in coal mines; for making payments to out going members and to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members where provident fund contributions in respect of such members have, either in whole or in part, not been deposited into Fund by their employers; for stabilising the rate of interest allowed to the members under this scheme and for paying late fees and such other charges as may be levied by the Life Insurance Corporation in cases where remittance of premia in respect of any policy financed from the fund under paragraph 43C is delayed for no fault of the concerned member or where any such policy having been paid up or having lapsed for no fault of the concerned member is to be revived.

2. In a particular case, an account payee cheque which was issued by the office of the Coal Mines Provident Fund Commissioner in favour of one member towards the final settlement of his Coal Mines Provident Fund dues was encashed by some one else other than himself. No provision exists in the Coal Mines Provident Fund Scheme to make payment to the outgoing members or nominees where a cheque for payment once issued in his favour and sent by post is stated to have been received by him and encashed by some one else. However in few cases, the Board of Trustees recommended payment in such cases and the due amount was sanctioned by Government as special cases to avoid hardship to the members concerned. The notification seeks to make a provision in the Scheme to provide for payments from the Reserve Account in such cases and to give it retrospective effect from 25th November, 1974, so that past cases could be covered. Section 6 of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 lays down that a Scheme thereunder may provide that any of its provisions shall come into force either prospectively or retrospectively with effect from such date as may be specified in this behalf. The retrospective operation of the amendment will not adversely affect the interest of any member of the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund Scheme.

[No. R. 11014/17/78-CMW (PF) (i)]

सा० का० नि० 113 :—केन्द्रीय सरकार, कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 7 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 32, तारीख 11 फरवरी, 1958 के साथ प्रकाशित राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि स्कीम का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि (संशोधन) स्कीम, 1981 है।

(2) यह 25 नवम्बर, 1974 से प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

2. राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि स्कीम के पैरा 32 के उप-पैरा (2) में, खंड (v) के पश्चात् निम्नलिखित खंड, अस्तित्व में किया जाएगा, अर्थात्:—

“(vi) यदि सदस्य को संदेय रकम, किसी अधिकारवान दावेदार से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा निकाली जाती है और अधिकारवान दावेदार से भिन्न किसी व्यक्ति को संदेय की जाती है अथवा यदि ऐसा रकम अधिकारवान दावेदार से भिन्न किसी व्यक्ति को मनोप्राप्त द्वारा या खाते में जमा होने वाले बैंक द्वारा विप्रेषित की जाती है तो क्यास्थिति, सदस्य को या मृत सदस्य के नामनिर्देशितों या विधिक वारिस या प्रतिनिधि को संदाय करने के लिए।”

व्याख्यात्मक भाषण

राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि योजना के पैरा 40 के उप-पैरा (6) में यह व्यवस्था है कि उक्त पैरा के उप-पैरा (1) और (2) में निर्धारित कुछ शर्तों के अधीन निधि के लिए जन्त को गई सारी धनराशि निधि के “आरक्षित लेख” में जमा की जाएगी। उसी योजना के पैरा 32 (2) में यह व्यवस्था है कि पैरा 40 के उप-पैरा (6) के अधीन आरक्षित लेख में जमा की गई ऐसी राशि, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार, निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए व्यय की जाएगी, अर्थात् मृत सदस्यों के नामित व्यक्ति या वारिस या कानूनी प्रतिनिधि को वित्तीय सहायता प्रदान करना; कोयला खानों में दुर्घटनाओं में मारे गए या अग्रगण्य हुए कर्मचारियों के आश्रितों के लाभ के लिए किसी भी योजना के लिए पूंजी प्रदान करना; सेवा-निवृत्त सदस्यों और मृत सदस्यों के नामित व्यक्तियों या वारिसों या कानूनी प्रतिनिधियों को अदायगी करना, जहां ऐसे सदस्यों के संबंध में उनका नियोजन ने निधि में भविष्य निधि के भंडारण की या तो पूरी या आंशिक राशि जमा नहीं कराई है। इस योजना के अंतर्गत सदस्यों को मजूर की गई व्याज-दर को स्थिर रखना और लेट-फीस तथा अन्य ऐसे खर्चों का भुगतान करना जो जीवन बीमा निगम ऐसे मामलों में वसूल करें, जहां पैरा 40 ग के अधीन निधि द्वारा दिए गए धन से किसी पालिसी के प्रीमियम को जमा कराने में संबंधित सदस्य के कसूर के बिना देरी हुई हो या जहां कहीं ऐसी पालिसी को, जिसका संबंधित सदस्य के कसूर के बिना पालिसी लेव्य होने के कारण पेड-अप कर दी गई हो, फिर से चालू करना हो।

2. इस विशेष मामले में, खाते में जमा होने वाले बैंक का, जो कोयला खान भविष्य निधि आयुक्त द्वारा एक सदस्य को उसके कोयला खान भविष्य निधि की बकाया राशि के अंतिम भुगतान के बारे में जारी किया गया था; सदस्य से भिन्न किसी और को नकद भुगतान कर दिया गया। कोयला खान भविष्य निधि योजना में ऐसा कोई उपबंध नहीं है कि ऐसे मामले में सेवा युक्त सदस्यों या नामित व्यक्तियों को भुगतान किया जाए जहां भुगतान के लिए उसके पक्ष में बैंक एक बार जारी किया गया और डाक द्वारा भेजा गया बैंक उसे प्राप्त हो जाता है, परन्तु उसका नकद भुगतान किसी और व्यक्ति को हो जाता है। तथापि, कुछ मामलों में, न्यासी बोर्ड ने ऐसे मामलों में भुगतान की सिफारिश की और विशेष मामलों के रूप में बकाया राशि सरकार द्वारा मंजूर की गई, ताकि संबंधित सदस्यों को कठिनाई न हो। इस अधिसूचना का उद्देश्य योजना में ऐसी व्यवस्था करने का है ताकि ऐसे मामलों में आरक्षित लेख में से भुगतान किया जा सके तथा इसे पूर्वापक्षी प्रभाव से लागू किया जा सके ताकि इसमें पुराने मामले भी आ सकें। कोयला खान भविष्य निधि और प्रकीर्ण

उपबंध अधिनियम, 1948 की धारा 6 में यह निर्धारित किया गया है कि उसके अधीन बनाई गई योजना में सट व्यवस्था हो कि इसके कोई भी उपबंध ऐसी तारीख से या तो अग्रवर्षी या पूर्वपेशी प्रभाव से लागू होने जो इन संबंध में निर्दिष्ट की जाए। इस संशोधन को पूर्वपेशी प्रभाव से लागू करने से राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि योजना के किन्हीं भी सदस्य के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० आर०-11014/17/78-सी०एम०डब्ल्यू०पी०एफ०(ii)]

ए० एस० देशपाण्डे, उप सचिव

G.S.R. 113.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 7 of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Rajasthan Coal Mines Provident Fund Scheme published with the notification of Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S. O. 32, dated the 11th February, 1958, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Rajasthan Coal Mines Provident Fund (Amendment) Scheme, 1981.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 25th day of November, 1974.

2. In the Rajasthan Coal Mines Provident Fund Scheme, in sub-paragraph (2) of paragraph 32, after clause (v), the following clause shall be inserted, namely :—

“(vi) for making payment to the member or to the nominee or legal heir or representatives of deceased member, as the case may be, where the amount payable to the member is either withdrawn and paid to a person other than a rightful claimant or where such amount when remitted by money order or by an account payee cheque, is paid to a person other than a rightful claimant.”

EXPLANATORY MEMORANDUM

Sub-paragraph (6) of paragraph 40 of the Rajasthan Coal Mines Provident Fund Scheme provides that all sums forfeited to the Fund under certain conditions laid down in sub-paragraph (1) and (2) of the same paragraph shall be credited to the “Reserve Account” of the Fund. Paragraph 32 (2) of the Scheme provides that the amount so credited to Reserve Account under sub-paragraph (6) of paragraph 40 may, in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expanded for purposes such as providing financial assistance to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members, for financing any scheme for the benefit of the dependents of employees killed or disabled in accidents in coal mines for making payments to outgoing members and to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members where provident fund contributions in respect of such members have, either in whole or in part, not been deposited into the Fund by their employers; for stabilising the rate of interest allowed to the members under this Scheme and for paying late fees and such other charges as may be levied by the Life Insurance Corporation in cases where remittance of premia in respect of any policy financed from the Fund under paragraph 42C is delayed for no fault of the concerned member or where any such policy having been paid up or having lapsed for no fault of the concerned member is to be revived.

In a particular case, an account payee cheque which was issued by the Office of the Coal Mines Provident Fund Commissioner in favour of one member towards the final settlement of his Coal Mines Provident Fund dues, was encashed by some one else other than himself. No provision exists in the Coal Mines Provident Fund Scheme to make payment to the outgoing members of nominees where a cheque for payment once issued in his favour and sent by post is stated to have been received by him and encashed by some one else. However, in few cases, the Board of Trustees recommended payment in such cases and the due amount was sanctioned by Government as special cases to avoid hardship to the members concerned. The notification seeks to make a provision in the Scheme to provide for payments from the Reserve Account in such cases and to give it retrospective effect so that past

cases could be covered. Section 6 of the Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948 lays down that a Scheme thereunder may provide that any of its provisions shall come into force either prospectively or retrospectively with effect from such date as may be specified in this behalf. The retrospective operation of the amendment will not adversely affect the interests of any member of the Rajasthan Coal Mines Provident Fund Scheme.

[No. R. 11014 (17)/78-CMW (PF) (ii)]

A. S. DESHPANDE, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 114 :—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (बम्बई) नियमावली, 1963 के नियम 1 के उपनियम (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त नियमों को 16 जनवरी, 1981 से निम्नलिखित क्षेत्रों में लागू करती है, अर्थात्—

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना अधीनस्थ, गोरगांव—

उत्तर—गोरगांव मुमुन्द लिंक रोड के साथ-साथ गोरगांव मुमुन्द लिंक रोड और कुर्ला तालुक सीमा रेखा के चौराहे से लेकर वहाँ तक का क्षेत्र जहाँ यह प्रस्तावित आरे बोरिवली रोड से मिलती है और फिर इस प्रस्तावित रोड के साथ-साथ वहाँ तक का क्षेत्र जहाँ यह चिंचावल बन्दर रोड से मिलती है और चिंचावल बन्दर रोड के साथ-साथ वहाँ तक का क्षेत्र जहाँ यह बांद्रा बोरिवली लिंक रोड से मिलती है और इस रेखा से लेकर मलाड खाड़ी तक का क्षेत्र।

पश्चिम—मलाड खाड़ी की तटवर्ती रेखा।

दक्षिण—अंधेरी तालुक सीमा रेखा के चौराहे से लेकर और अंधेरी गांव की सीमा रेखा के साथ-साथ वहाँ तक का क्षेत्र जहाँ यह कुर्ला तालुक की सीमा रेखा से मिलती है और कुर्ला तालुक सीमा रेखा के साथ-साथ वहाँ तक का क्षेत्र जहाँ यह गोरगांव मुमुन्द लिंक रोड से मिलती है।

[संख्या एस० 11020/1/79-के०म०स्वा०यो०डब्ल्यू०-1]

सत्य पाय गोस्वामी, सचिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 12th January, 1981

G.S.R. 114.—In pursuance of sub-rule (3) of rule 1 of the Central Government Health Scheme (Bombay) Rules, 1964, the Central Government hereby extends the said rules, with effect from 16-1-1980 to the following areas, namely :—

CENTRAL GOVERNMENT HEALTH SCHEME DISPENSARY AT GOREGAON

North : From the crossing point of Goregaon Mulund Link Road and Kurla Taluka Boundary line along Goregaon Mulund Link Road till it joins the proposed Harey Borivali Road and further along this proposed road till it joins Chinchaval Bunder Road and along Chinchaval Bunder Road till it joins Bandra Borivali Link Road and along this line upto the Malad Creek.

West : Malad Creek Coastal line.

South : From Malad Creek along, Andheri Taluka Boundary line till it joins Andheri Village Boundary line.

East : From the crossing of Andheri Taluka Boundary Line and along the Andheri Village Boundary line till it joins Kurla Taluka Boundary line and along the Kurla Taluka Boundary line till it joins the Goregaon Mulund Line Road.

[No. S. 11020/1/79-CGHS Desk I]

S. P. GOSWAMI, Under Secy.

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुश्रेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शर्तें और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
हिन्दी अधिकारी	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह "ख" राजपत्रित अलिपिकवर्गीय	650-30-740 35-810-द० रो०-35-880- 40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये	खामू नहीं होता	25 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए सिविल की जा सकती है) टिप्पण : आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक	नहीं	आवश्यक : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से हिन्दी में स्नातक-कोत्तर उपाधि तथा स्नातक स्तर पर अंग्रेजी एक विषय रहा हो य.

1	2	3	4	5	6	7	8
							<p>किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उपाधि तथा स्नातक स्तर पर हिन्दी-एक विषय रहा हो</p> <p>या</p> <p>किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि तथा स्नातक स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी विषय रहा हो।</p> <p>या</p> <p>किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में हिन्दी माध्यम से स्नातकोत्तर उपाधि तथा उपाधि स्तर पर अंग्रेजी एक विषय रहा हो।</p> <p>(ii) हिन्दी में शब्दावली कार्य और/या अंग्रेजी से हिन्दी या हिन्दी से अंग्रेजी के अधिमानत तकनीकी और वैज्ञानिक साहित्य के अनुबाव का 5 वर्ष का अनुभव</p> <p>या</p> <p>हिन्दी में शिक्षण, अनुसंधान, लेखन या पत्रकारिता का 5 वर्ष का अनुभव।</p> <p>टिप्पण 1. अर्हताएं, अन्यथा सु-अर्हित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं।</p> <p>टिप्पण : 2. अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस दशा में शिथिल की जा सकती हैं।</p> <p>(हैं) जबकि, चयन के किसी प्रक्रम में संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि इनके लिए आवश्यक रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थियों पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।</p> <p>वर्गीकरण:</p> <p>(1) संस्कृत और/या प्राचिन भारतीय धर्म-ग्रन्थ-ज्ञान</p> <p>(2) प्रशासनिक अनुभव</p> <p>(3) टिप्पण: और आरक्षण के लिए हिन्दी की कक्षा या कार्य-शालाओं को आयोजित करने का अनुभव।</p>

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित प्रायु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली नियुक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में के श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन सदृश पद धारण करने वाले या 550-900 रु०/ 425-700 रु० या क्रमशः समतुल्य वेतनमान के पद पर 3/8 वर्ष की सेवा वाले ऐसे अधिकारी जिनके पास स्तम्भ 8 के अधीन सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए बिहित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	समूह "ख" विभागीय प्रोन्नति समिति (पुष्टि पर विचार करने के लिए) : 1. संयुक्त सचिव (प्रशा०) सचवाई मंत्रालय—अध्यक्ष 2. निदेशक, केन्द्रीय जल और बिद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे—सदस्य 3. मुख्य प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय जल और बिद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे—सदस्य टिप्पण : पुष्टि से संबन्धित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियां, आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु यदि आयोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो, विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।	सीधी भर्ती करते समय और इन नियमों के किसी उपबन्ध को संशोधित/शिथिल करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।

[सं० 2/80-फा० 30/4/79-स्था० 2]

एस० एम० ग्रेवाल, चायर सचिव

MINISTRY OF IRRIGATION

New Delhi, the 20th November, 1980

G.S.R. 116.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Hindi Officer in the Central Water and Power Research Station, Pune, namely :

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called Hindi Officer (Group 'B' Gazetted), Central Water and Power Research Station, Pune, Recruitment Rules, 1980.

(2) they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay :—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit, other qualification :—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule :

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said schedule for direct recruits may be relaxed in the

case of candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders issued by the Central Government from time to time.

4. Disqualification :—No person :

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to any of the said post :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Powers to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by an order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Schedule Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Post	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Hindi Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Govt. Servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands & Lakshadweep)	No	Essential : (i) Master's degree of a recognised University in Hindi with English as a subject at the degree level. Or Master's degree of a recognised University in English with Hindi as a subject at the degree level. Or Master's degree of a recognised University in any subject with Hindi and English as subjects at the degree level. Or Master's degree of a recognised University in any subject with Hindi medium and English as a subject at the Degree level. (ii) 5 years' experience of terminological work in Hindi and/or translation work from English to Hindi or vice versa, preferably of technical or scientific literature. Or 5 years' experience of teaching, research, writing or journalism in Hindi. Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to scheduled castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the U.P.S.C. is

1	2	3	4	5	6	7	8
							of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
							Desirable :
							(i) Knowledge of Sanskrit and/or a modern Indian Language.
							(ii) Administrative Experience.
							(iii) Experience of organising Hindi Classes or workshops for noting and drafting.

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	By transfer on deputation failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation—Officers under the Central Govt. holding analogous posts or with 3/8 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900/Rs. 425-700 or equivalent respectively and possessing the educational qualifications and experience of the type prescribed for direct recruits under Column 8. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion [Committee (for considering confirmation). 1. Joint Secretary (Adm) Department of Irrigation.—(Chairman) 2. Director, Central Water & Power Research Station. Pune —Member 3. Chief Administrative Officer, Central Water & Power Research Station-Pune—Member Note : The Proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and amending/relaxing any of the provisions of these rules.

विश्व-भारतीय-संघ

(पत्तपत्र)

नई दिल्ली, 6 जनवरी, 1981

सा. का. नि. 117.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विशाखापत्तनम् पत्तन के न्यासी-मण्डल द्वारा निर्मित और अधीन प्रवेश सरकार के तारीख 24 जुलाई, 1980 और 31 जुलाई, 1980 के राजपत्र में प्रकाशित विशाखापत्तनम् पत्तन न्यास-कर्मचारी (परिचर्या सुरक्षा) संशोधन विनियम, 1981 का अनुमोदन करती है।

[सं. पीडब्ल्यू.पी.ई.जी.-43/80]

धार. टी. पांडेय, प्रवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 6th January, 1981

G.S.R. 117.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the regulations entitled "the Visakhapatnam Port Trusts Employees Family Security Amendment Regulations, 1981" made by the Board of Trustees of the Port of Visakhapatnam in exercise of the powers conferred by section 28, read with sub-section (2) of section 124 of the said Act, and published in the Andhra Pradesh Government Gazette, dated the 24th July, 1980 and the 31st July, 1980.

[No. PW-PEV-43/80]

R. T. PANDEY, Under Secy.

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1981

सा. का. नि. 118.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कांडला पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा निर्मित और गुजरात सरकार के तारीख 24 जुलाई, 1980 और 31 जुलाई, 1980 के राजपत्र में प्रकाशित कांडला पत्तन कर्मचारी (आचरण) संशोधन विनियम 1980 का अनुमोदन करती है।

[सं. पीडब्ल्यू.पी.ई.जी.-25/80]

बिमल पण्डे, प्रवर सचिव

New Delhi, the 14th January, 1981

G.S.R. 118.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of regulations entitled "the Kandla Port Employees (Conduct) Amendment Regulations, 1980" made by the Board of Trustees of the Port of Kandla in exercise of the powers conferred by section 28, read with sub-section (2) of section 124, of the said Act, and Published in the Gujarat Government Gazette, dated the 24th July, 1980 and the 31st July, 1980.

[No. PW-PEK-25/80]

BIMAL PANDE, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 जनवरी, 1981

सा. का. नि. 119.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 8 की उपधारा 1 के खंड (क) और

(ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह (पोर्ट ब्लेयर पत्तन में प्रवेश करने वाले और उससे प्रस्थान करने वाले कतिपय जलयानों का अनिवार्य पत्तन ग्यय और उनसे पत्तन ग्यय फीस आदि का उद्ग्रहण) नियम, 1976 का और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (2) द्वारा प्रप्रेषित है, प्रस्तुतित संशोधनों के लिये कतिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिये प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उत्तरे प्रभावित होने की संभावना है। इनके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिरूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पचासी दिन की अवधि की समाप्ति की तारीख को या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट अधि की समाप्ति के पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी प्रश्न या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप संशोधन

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह (पोर्ट ब्लेयर पत्तन में प्रवेश करने वाले और उससे प्रस्थान करने वाले कतिपय जलयानों का अनिवार्य पत्तन ग्यय और उनसे पत्तन ग्यय फीस आदि का उद्ग्रहण) संशोधन नियम, 1980 है।

2. अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह (पोर्ट ब्लेयर पत्तन में प्रवेश करने वाले और उससे प्रस्थान करने वाले कतिपय जलयानों का अनिवार्य पत्तन ग्यय और उनसे पत्तन ग्यय फीस आदि का उद्ग्रहण) नियम, 1976 में,—

(i) नियम 2 में, निम्नलिखित परम्युक् जड़ा जायेगा, अर्थात् :—

"परम्यु पत्तन का संरक्षक, ऐसे कारणों से जो उसके नियंत्रण से परे है, किसी पाइलट की सेवाओं की व्यवस्था करने में असमर्थ होने की दशा में, किसी जलयान को जलयानों के उक्त अनिवार्य पत्तन ग्यय से छूट दे सकेगा।"

(ii) नियम 6 में, उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा, अर्थात् :—

"ऐसी संस्था की अस्तित्व पर, पत्तन का संरक्षक, उन दशाओं को छोड़कर, जिनमें-खूट नियम-2 के परम्युक् के अन्वये आवश्यक समझी गई हो, संबंधित जलयान को पाइलट देने की व्यवस्था करेगा।"

[सं. पीडब्ल्यू.पी.जी. एल-42/79]

एम.आर. गणवाल, प्रवर सचिव

New Delhi, the 21st January, 1981

G.S.R. 119.—The following draft of certain rules to amend the Andaman and Nicobar Islands (Compulsory Pilotage of, and levy of Pilotage Fees, etc. on certain vessels Entering or Departing from the Port of Port Blair) Rules, 1976, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by clauses (a) and (m) of sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908), is hereby published as required by sub-section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT AMENDMENT

1. These rules may be called the Andaman and Nicobar Islands (Compulsory Pilotage of, and levy of Pilotage Fees,

etc. on certain Vessels Entering or Departing from the Port of Port Blair) Amendment Rules, 1980.

2. In the Andaman and Nicobar Islands (Compulsory Pilotage of, and levy of Pilotage Fees etc. on certain Vessels Entering or Departing from the Port of Port Blair) Rules, 1976,—

(i) in rule 2, the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that the Conservator of the Port may, in the event of his inability to provide the services of a pilot, due to reasons beyond his control, exempt a vessel from the requirement of the said compulsory pilotage of vessels”.

(ii) in rule 6, for sub-rule (2), the following shall be substituted, namely :—

On receipt of such requirement, the Conservator of the Port shall arrange to provide a pilot to the vessel concerned, except in cases when exemption is considered necessary under proviso to rule 2”.

[PW-PGL-42/79]

M. R. GATHWAL, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1981

सां. कां. वि० 120:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्माण और आवास मंत्रालय (सवार-हकरा) भर्ती नियम, 1980 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम निर्माण और आवास मंत्रालय (सवार-हकरा) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. निर्माण और आवास मंत्रालय (सवार-हकरा) भर्ती नियम, 1980 की अनुसूची में, स्लम्ब 6 के अधीन, विद्यमान प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख वह तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।”

[सं. ए/12018/2/79-प्रशासन-1]

एस० ए० रसल, धवर सचिव

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 7th January, 1981

G.S.R. 120.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Ministry of Works and Housing (Despatch Rider) Recruitment Rules, 1980, namely:—

1. (i) These rules may be called the Ministry of Works and Housing (Despatch Rider) (Amendment) Recruitment Rules, 1980.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the schedule to the Ministry of Works and Housing (Despatch Rider) recruitment rules, 1980 under column 6, after the existing entry, the following entry shall be inserted, namely:—

“The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit the names.”

[F. No. A-12018/2/79-Adm. IV]

S. A. RUSSEL, Under Secy.

शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(संस्कृति विभाग)

नई दिल्ली, 14 जनवरी, 1981

सां. कां. वि० 121:—केन्द्रीय सरकार, सार्वजनिक परिसर (प्रनाधिकृत कब्जा करने वालों को निकालना) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता के प्रशासन अधिकारी को उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (ख) के अन्तर्गत सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है। राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता का प्रशासन अधिकारी, पुस्तकालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन बेल्वेडर सम्पदा, कलकत्ता की स्थानीय सीमाओं के अन्तर्गत सार्वजनिक परिसर के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त उसके अन्तर्गत सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करेगा।

[संख्या एफ० 10-17/77-सी०ए०I (2) पुस्तकालय]

MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE

(Department of Culture)

New Delhi, the 14th January, 1981

G.S.R. 121.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupation) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Administrative Officer, National Library, Calcutta to be the Estate Officer within the meaning of clause (b) of section 2 of the aforesaid Act. The Administrative Officer, National Library, Calcutta shall exercise the powers conferred on Estate Officers by or under the said Act in respect of Public Premises within the local limits of the Bolvedere Estate, Calcutta under the administrative control of the National Library, Calcutta.

[No. F. 10-17/77-CAI(2)/Lib.]

सां. कां. वि० 122:—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय मानव-विज्ञान (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1962 में और संशोधन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों को भारतीय सर्वेक्षण (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III के पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 कहा जाये ;

(ii) ये नियम सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय मानव-विज्ञान सर्वेक्षण (सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III के पद) भर्ती नियमावली, 1962 (इसके बाद इनको उक्त नियम कहा जायेगा) की अनुसूची 2 में कालम 11 के अन्तर्गत मानव जाति विज्ञान संग्रह के पद से सम्बन्धित क्रम-संख्या 3 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रस्थापित की जाए, अर्थात् :—

‘ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा वाले क्षेत्र मार्गदर्शक तथा संग्रह संयोजक’।

3. उक्त नियमावली में “श्रेणी III के पद”, जहाँ भी आयेगा, के स्थान पर “श्रेणी ‘ग’ के पद” पढ़ा जायेगा।

[संख्या एफ० 9-18/78-सी०एफ०-1]

एन० बी० गुप्त, धवर सचिव

G.S.R. 122.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Anthropological Survey of India (General Central Service Class III posts) Recruitment Rules, 1962, namely:—

1. (i) These rules may be called the Anthropological Survey of India (General Central Service Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1981;

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Anthropological Survey of India (General Central Service Class III posts) Recruitment Rules, 1962 (here-in-after referred to as the said rules), in the Schedule II against serial number 3 relating to the post of Ethnographical Collection under column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

'Field-guide and collection tender with 3 years' service in the grade'.

3. In the said rules, the expression "Class III posts" where-soever appearing shall be substituted by the expression "Group 'C' posts".

[No. F. 9-18/78-CHI]

N. D. GUPTA, Under Secy.

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1981

सां. कां. निं. 123:—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने द्वारा, लक्षद्वीप प्रशासन में शिक्षा निदेशक के पद की भर्ती प्रणाली के नियमन हेतु एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. सधु शीर्षक तथा आरम्भ होना:—(1) इन नियमों को लक्षद्वीप प्रशासन, शिक्षा निदेशक भर्ती नियमावली, 1980 कहा जाए।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में छपने की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा इससे सम्बद्ध वेतनमान वही होगा, जो इस नियमावली की अनुसूची के कालम (2) से (4) में निर्दिष्ट है;

3. भर्ती प्रणाली, आयु-सीमा तथा अन्य अर्हताएं आदि:—उक्त पद की भर्ती-प्रणाली, आयु सीमा, अर्हताएं और इससे सम्बद्ध अन्य बातें वही होंगी जो उक्त अनुसूची के कालम (5) से (14) में निर्दिष्ट हैं।

4. अयोग्यताएं:—कोई भी ऐसा व्यक्ति (क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध करता है, जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो अथवा (ख) जो पति/पत्नी के रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अथवा विवाह का अनुबन्ध करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा बशर्त कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात में संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुमत्य है तथा ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

4. छूट देने का अधिकार:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक तथा उचित है तो वह आदेश द्वारा लिखित रूप में कारणों को दर्ज करते हुए किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में इन नियमों के किसी भी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

6. प्रतिबन्ध:—केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों को दिए जाने वाले आरक्षणों, आयुसीमा की छूट और अन्य रियायतों पर इन नियमों का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अन्य पद है अथवा गैर-अन्य पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु-सीमा	क्या के०सी०से० (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत जोड़े गए सेवा बर्षों का लाभ प्राप्त है।	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
शिक्षा निदेशक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा (राजपत्रित)	1100-50-1600 रुपये	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए हील दी जा सकती है) टिप्पणी: आयु-सीमा निर्धारण के लिए निर्णायक तिथि प्रत्येक मामले में भारत के उम्मीदवारों से प्राप्ति-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि होगी (अंशमान तथा निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप सघ शासित क्षेत्रों को छोड़कर)।	नहीं	अनिवार्य: (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय की कम-से-कम द्वितीय श्रेणी मास्टर डिग्री अथवा इसके समकक्ष डिग्री (2) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय/संस्था से शिक्षण/शिक्षा में डिग्री अथवा इसके समकक्ष डिप्लोमा (3) शिक्षा के क्षेत्र में 10 वर्ष का अनुभव, इसमें से किसी जिम्मेदार प्रशासनिक पद पर 5 वर्ष तक कार्य किया हो। टिप्पणी: 1. यदि उम्मीदवार अन्यथा अर्हताएं रखता हो तो सघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर अर्हताओं में होल दी जा सकती है।

1	2	3	4	5	6	7	8
							टिप्पणी : 2. यदि जयन के किसी भी स्तर पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जातियों/तन्त्र-प्रभु-सूचित जनजातियों के प्रत्येक शिक्षित-अर्हताएं रखने वाले उम्मीदवार आरक्षित रिक्तियों की भरने के लिए पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं है तो उक्त उम्मीदवारों की अनुभव संबंधी अर्हताओं में संघ लोक सेवा आयोग के विवेक पर छूट दी जा सकती है।
							वांछनीय : 1. संबंधित विषय में-अनुसूचित-विपरी। 2. स्थानीय भाषा(ओं) बोली (यो) की जानकारी।

क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु अवधि यदि तथा अर्हताएं पदोन्नति वाले कोई हो उम्मीदवारों पर भी लागू होती है	परिबीक्ष की अवधि यदि	भर्ती की विधि सीधी-भर्ती द्वारा या पदोन्नति/स्थानान्तरण द्वारा या प्रतिनियुक्ति द्वारा तथा विभिन्न विधियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिफल	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भरी होनी हो तो वे प्रेड जिन्हें पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाता है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है
9	10	11	12	13	14
अनुसू. : कोई नही-कालम नं० 8 में निविष्ट शैक्षिक अर्हताएं।	2 वर्ष	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर तत्पश्चात् ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा।	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर तत्पश्चात् 1. केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों के अधिकारी (क) (i) जो समान पदो पर कार्य कर रहे हों, प्रथमा (ii) जिन्होंने 700-1300 रु० के वेतनमान वाले प्रथमा समकक्ष पदो पर 5 वर्षों तक सेवा की हो, प्रथमा (iii) जिन्होंने 650-1200 रु० के वेतनमान वाले प्रथमा समकक्ष पदो पर 8 वर्षों तक सेवा की हो, और (ख) जो कालम नं० 8 में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव रखते हो। (2) जिस विभागीय शिक्षा अधिकारी के पास प्रेड में 8 वर्षों की नियमित सेवा हो तथा किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की कम से कम मास्टर डिग्री प्रथमा इसके समकक्ष डिग्री हो, उसके मामले	पदोन्नति पर विचार करने के लिए वर्ग 'ग' विभागीय पदोन्नति समिति का गठन। (1) संघ लोक सेवा आयोग सदस्य—अध्यक्ष (2) शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय में लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र से संबन्धित संयुक्त शिक्षा सहायक/संयुक्त-सचिव—सदस्य (3) लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र का प्रशासक—सदस्य वर्ग 'क' विभागीय पदोन्नति समिति (सीधी भर्ती वालों के स्थायीकरण पर विचार करने के लिए) (i) शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय में लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र से संबन्धित संयुक्त सचिव/संयुक्त शिक्षा सहायक—अध्यक्ष (ii) लक्षद्वीप संघ शासित क्षेत्र का प्रशासक—सदस्य	जयन हर बार संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जाएगा इन नियमों के किसी भी उपबन्ध का शो-धन करते समय/डीन देते समय संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श भी आवश्यक है।

9	10	11	12	13
			पर भी विचार किया जाएगा और यदि उक्त पद पर नियुक्ति के लिए उसका जयन हो जाता है तो उक्त पद को पदोन्नति द्वारा भरा हुआ समझा जाएगा (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	(iii) शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय में लक्ष-द्वीप संघ शामिल क्षेत्र से संबन्धित उप सचिव/उप शिक्षा सलाहकार—सब्स्य डिप्टी . विभागीय पदोन्नति समिति की स्थायीकरण सम्बन्धी कार्यवाही सच लोक सेवा आयोग को स्वीकृति के लिए भेजी जायेगी । तथापि, यदि सच लोक सेवा आयोग द्वारा इसकी स्वीकृति नहीं होती है तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष अथवा किसी सब्स्य की अध्यक्षता में विभागीय पदोन्नति समिति की एक नई बैठक आयोजित की जायेगी ।

[संख्या एफ 7-18/78-स्कूल-6]

जे० पी० पत्ती, अवर सचिव

(Department of Education)

New Delhi, the 16th January, 1981

G.S.R. 123.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Director of Education in Lakshadweep Administration, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Lakshadweep Administration, Director of Education Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns (5) to (14) of the Schedule aforesaid.

1204 G.I./80—3

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation regarding age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Director of Education	1	General Central Service Group 'A' (Gazetted)	Rs. 1100-50-1600	N.A.	Not exceeding 40 years (Relaxable for Govt. servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	No.	Essential . (i) At least 2nd Class Master's Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or equivalent Diploma in Teaching/ Education of a recognised University/Institution. (iii) 10 years' experience including 5 years' in a responsible administrative capacity, in the field of education. Note : 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The Qualification(s) regarding experience is/ are relaxable at the discretion of the U.P.S.C. in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : (i) Doctorate Degree in the subject concerned. (ii) Knowledge of local Language(s) /dialect(s).

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancy to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Age: No; Educational qualifications to the extent indicated in Col.(8)	2 years	By promotion/transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	Promotion/transfer on deputation : (1) Officers from the Central/State Govts./Union Territories: (a) (i) holding analogous posts; or (ii) With 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent; or (iii) With 8 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and (b) possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits in column 8 (2) The departmental Education Officer with 8 years' regular service in the grade and possessing at least Master's Degree of a recognised University or equivalent will also be considered and in case he is selected for appointment to the post, the same shall be deemed to have been filled by promotion. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'A' D.P.C. for considering promotion consisting of :— (1) Member of the UPSC—Chairman. (2) Joint Educational Adviser/Joint Secy. in the Ministry of education and Culture concerned with UT of Lakshadweep—Member (3) Administrator U.T. of Lakshadweep—Member Group 'A' D.P.C. (for considering confirmation of direct recruits). (i) Joint Secretary/Joint Educational Adviser concerned with Union Territory of Lakshadweep in the Ministry of Education and Social Welfare—Chairman (ii) Administrator, U.T. of Lakshadweep—Member (iii) Deputy Secretary/Deputy Educational Adviser concerned with Union Territory of Lakshadweep in the Ministry of Education and Social Welfare—Member Note :—The Proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.	Selection on each occasion shall be made with the UPSC. Consultation with the UPSC also necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1981

सा० का० नि० 124.—केन्द्रीय सरकार, वायुयान अधिनियम, 1934 (1934 का 22) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, वायुयान नियम, 1937 में कतिपय और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 14 में अर्पित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाता है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में तीन मास की अवधि के अवसान के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उपर विनिर्दिष्ट अवधि में पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो आक्षेप या सूझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम वायुयान (संशोधन) नियम, 1980 है।

2. वायुयान नियम, 1937 में,—

(1) नियम 3 में—

(i) उपनियम (3) का लोप किया जाएगा;

(ii) उपनियम (4) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“(4क) “वैमानिक बीकन” से पृथ्वी की सतह पर किसी विशिष्ट बिन्दु को या तो निरन्तर या अन्तराधिकार रूप से अभिलिखित करने के लिए सभी दिशाओं पर दृश्यमान कोई वैमानिक भूमि प्रकाशन अभिप्रेत है।

(4ख) “वैमानिक भूमि प्रकाश” से किसी वायुयान पर सप्रदर्शित प्रकाश से कोई ऐसा प्रकाश अभिप्रेत है, जिसकी वायु नौ परिवहन के सहायक के रूप में व्यवस्था की गई हो।”

(2) भाग 8 और उसके शीर्ष के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्—

“भाग 8 - वैमानिक बीकन, विमान क्षेत्र भूमि प्रकाश, और भ्रामक प्रकाश”।

(3) नियम 65 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा अर्थात्—

“65(1) वैमानिक बीकन और वैमानिक भूमि प्रकाश—(क) महा-निदेशक के लिखित अनुमोदन के बिना और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए जो वह विहित करे, किसी वैमानिक बीकन या वैमानिक भूमि प्रकाश की भारत के भीतर स्थापना नहीं की जाएगी या उसका अनुरक्षण नहीं किया जाएगा और न उससे प्रदर्शित प्रकाश के रूप में परिवर्तन किया जाएगा।

(2) कोई भी व्यक्ति जानबूझ कर या उपेक्षा से महानिदेशक द्वारा या उसके अनुमोदन में स्थापित या अनुरक्षित किसी वैमानिक बीकन या वैमानिक भूमि प्रकाश को संकटापन्न नहीं करेगा या उसमें बाधा नहीं डालेगा।”

(4) नियम 66 में उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा—

“(1) जब कभी भारत में कोई प्रकाश—

(क) किसी विमान क्षेत्र के आसपास पाच कि० मी० के क्षेत्र में या कोई वैमानिक बीकन, जिससे किसी वैमानिक भूमि प्रकाश या किसी वैमानिक बीकन का भ्रम हो सके; या

(ख) जिससे किसी वैमानिक भूमि प्रकाश या किसी वैमानिक बीकन का भ्रम होने के कारण वायुयान की सुरक्षा के संकटापन्न होने की कल्पना की जाती हो, या

(ग) जो विमान क्षेत्र के आसपास होने से अपनी चमक के कारण विमान क्षेत्र में पहुँचने वाले या वहाँ से जाने वाले वायुयान की सुरक्षा के संकटापन्न करता हो, या

(घ) जो दिक्कालन घटक बाधाओं या निबन्धित प्रयोग के क्षेत्रों के लिए दृश्य सहायकों का स्पष्ट अर्थ समझने में अन्ती प्रखरता, आकृति या रंग के कारण बाधा डाल सकता हो या भ्रम उत्पन्न कर सकते हों,

प्रदर्शित किया जाता है, स्वामी या कब्जाधीन व्यक्ति या उस व्यक्ति पर, जिसके भारमाधन में वह प्रकाश है, यह निदेश देने हुए सूचना की तामील कर सकेगी कि वह स्वामी या व्यक्ति सूचना में विनिर्दिष्ट किए जाने वाले युक्तियुक्त समय के भीतर प्रकाश बुझाने या प्रभावी ढंग से प्रतिच्छादित करने और भविष्य में किसी ऐसे प्रकाश के प्रदर्शन को रोकने के लिए प्रभावी साधन अपनाएँ।”

[का० सं० ए० वी 11012/1/80-(ए)]

एम० एकम्बरम्, निदेशक

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th January, 1981

G.S.R. 124.—The following draft of certain rules further to amend the Aircraft Rules, 1937, which the Central Government propose to make, in exercise of the powers conferred by section 5 of the Aircraft Act, 1934 (22 of 1934), is hereby published, as required by section 14 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the draft rules will be taken into consideration after the expiry of a period of three months from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said rules before the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called The Aircraft (Amendment) Rules, 1980.

2. In the Aircraft Rules, 1937 :—

(1) in rule 3 :—

(i) sub-rule (3) shall be omitted.

(ii) after sub-rule (4) the following sub-rules shall be inserted, namely :—

(4A) “Aeronautical beacon” means an aeronautical ground light visible at all azimuth either continuously or intermittently to designate a particular point on the surface of the earth;

(4B) “Aeronautical ground light” means any light provided as an aid to air navigation other than a light displayed on an aircraft”.

(2) For part VIII and heading thereto, the following shall be substituted, namely :—

“Part VIII—Aeronautical Beacon, Aerodrome Ground lights and False lights”.

(3) for rule 65, the following rule shall be substituted, namely :—

“65. aeronautical beacon and aeronautical ground lights

(a) No Aeronautical Beacon or Aeronautical ground light shall be established or maintained within India nor shall the character of the light exhibited therefrom be altered except with the approval in writing of the Director General and Subject to such conditions as he may prescribe.

(b) No person shall wilfully or negligently endanger or interfere with any aeronautical beacon or aeronautical ground light established or maintained by or with the approval of the Director General or any light exhibited therefrom.

(4) in rule 66, for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted :—

(1) Whenever in India any light is exhibited :

(a) in the vicinity of an aerodrome within a radius of 5 kms. or an aeronautical beacon so as to be liable to be mistaken for an aeronautical ground light or an aeronautical beacon ; or

(b) which by reason of its liability to be mistaken for an aeronautical ground light or an aeronautical beacon is calculated to endanger the safety of aircraft ; or

(c) which being in the vicinity of an aerodrome is liable by reason of its glare to endanger the safety of an aircraft arriving at or departing from the aerodrome ; or

(d) which may prevent or cause confusion by reason of its intensity, configuration or colour in the clear interpretation of visual aids for navigation, denoting obstacles or restricted use areas.

the Central Government may serve a notice upon the owner or person in possession of the place where the light is exhibited or upon the person having charge of the light, directing that owner or person within a reasonable time to be specified in the notice, to take effectual means for extinguishing or for effectually screening the light and for preventing for the future the exhibition of any similar light.”

[F. No. AV. 11012/1/80-A]
S. EKAMBARAM, Director

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1981

सांकांनि० 125—संविधान के अनुच्छेद 300 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा नागर विमानन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय, हिन्दी अनुवादक ग्रेड-I (समूह “ग” पद) भर्ती नियमावली, 1979 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों को नागर विमानन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय, हिन्दी अनुवादक ग्रेड-I (समूह “ग” पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 कहा जाएगा।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नागर विमानन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय, हिन्दी अनुवादक ग्रेड-I (समूह “ग”) भर्ती नियमावली, 1977 में :—

(क) “छूट देने का अधिकार से सम्बन्धित नियम 5 में से शब्द “या पदों” को हटा दिया जाए, और

(ख) अनुसूची के कालम 6 में निम्नलिखित हराज जोड़ दिया जाए :—
“छदान दें :—आयु सीमा का निर्धारण करने के लिए भारत में उम्मीदवारों से (पंढमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) आवेदन पत्र प्राप्त करने की अन्तिम तारीख निर्णायक तारीख होगी।

[सं० ए- 12018/77—हिन्दी]

New Delhi, the 15th January, 1981

G.S.R. 125.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Civil Aviation Department, Subordinate Offices, Hindi Translator Grade I (Group ‘C’ Post) Recruitment Rules, 1979, namely :—

1. (i) These rules may be called the Civil Aviation Department Subordinate Offices, Hindi Translator Grade I (Group ‘C’ Post) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Civil Aviation Department, Subordinate Offices, Hindi Translator Grade (Group ‘C’) Recruitment Rules, 1979—

(a) in rule 5 relating to “Power to relax”, the words ‘or posts’ shall be deleted ; and

(b) in column 6 of the Schedule, the following entry shall be inserted, namely :—

“NOTE : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)”.

[No. A. 12018/1/77-Hindi]

सांकांनि० 126—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा नागर विमानन विभाग, वैमानिक संचार संगठन (श्रेणी III तथा श्रेणी IV पद) भर्ती नियमावली, 1974 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों को नागर विमानन विभाग, वैमानिक संचार संगठन (ग्रुप “ग” पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1980 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. नागर विमानन विभाग, वैमानिक संचार संगठन (श्रेणी III तथा श्रेणी IV पद) भर्ती नियमावली, 1974 के :—

(क) प्रारम्भिक पैरा और नियम 1 में जहाँ कहीं “श्रेणी III और श्रेणी IV” शब्द आये हैं, उनके लिए “ग्रुप-ग” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ख) अनुसूची में

(i) “श्रेणी III” शब्द जहाँ कहीं आए हैं, उनके लिए “ग्रुप ग” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

(ii) सम्पूर्णा रिटर के पद से संबंधित क्रम संख्या 18 के मामले कालम 7 के अंतर्गत दिए गए हराज के लिए निम्नलिखित हराज प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“अनिवार्य :—

(1) मैट्रिक अथवा इसके समतुल्य।

- (2) फिटर अथवा इलेक्ट्रिकल व्यवसाय में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का डिप्लोमा या प्रमाण-पत्र।
- (3) ब्लू प्रिंट पढ़ने और उनके अर्थ लगाने तथा प्रारम्भिक नक्शे तैयार करने की योग्यता।
- (4) 300 फुट की ऊंचाई तक के किसी भी किस्म के मस्तूल पर चढ़ने और इन मस्तूलों पर काम करने की योग्यता।
- (5) अच्छा स्वास्थ्य और बगैर चश्मे के दृष्टि शक्ति रहित नज़र 6/6 होनी चाहिए।

वांछनीय :

- (1) मस्तूल, मजान और अन्य संरचनाएं बनाने और गिराने, डेरिक ब्लॉक और टैक्लस, बिल्कों तथा अन्य उप-साधनों का उपयोग करते हुए भारी मशीनों को उठाने, लाने और ले जाने का दो वर्ष का अनुभव।
- (2) टेलीफोन, निम्न तारण (लो टेंशन) पावर केबल की जांच और मरम्मत करने तथा केबल में जोड़ लगाने की योग्यता।

[सं०-ए 12018/5/79-ई डब्ल्यू (वी ई/एस एफ एस)]

आर० एन० गुप्ता, सचिव

G.S.R. 126.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Civil Aviation Department, Aeronautical Communication Organisation (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These rules may be called the Civil Aviation Department Aeronautical Communication Organisation (Group 'C' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Civil Aviation Department, Aeronautical Communication Organisation (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1974 :—

(a) in the opening paragraph and in rule 1, for the expression "Class III and Class IV" wherever they occur, the expression "Group C" shall be substituted;

(b) in the Schedule,—

(i) for the expression "Class III" wherever they occur the expression "Group C" shall be substituted;

(ii) against serial number 18, relating to the post of Mast Rigger, for the entry under column 7, the following entry shall be substituted, namely :—

Essential :

- (1) Matriculation or its equivalent.
- (2) Diploma or certificate from Industrial Training Institute in Fitter or Electrical Trades.
- (3) Ability to read and interpret bluprints and preparation of primary sketches.
- (4) Ability to climb any type of mast upto 300 feet in height and carry out work on these masts.
- (5) Good health and eye sight of 6/6 without glasses, should not be colour blind.

Desirable :

- (1) About two years' experience in erection or dismantling of masts, scaffolding and other structures, lifting and moving of heavy machinery using derricks, block and tackles winches and other accessories.
- (2) Ability to test and repair telephone and low tension power cables and effect cable jointing."

[No. A. 12018/5/79-EW(VE/SFS)]

R. N. GUPTA, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1981

सं० का० नि० 127.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आकाशवाणी (समूह क पद) भर्ती नियम, 1963 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आकाशवाणी (समूह क पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2 आकाशवाणी (समूह क पद) भर्ती नियम, 1963 का अनुसूची में क्रम सं० 25 और उससे संबंधित प्रावधानों के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की वर्गीकरण संख्या	वेतनमान	अयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	क्या के०सि०से० (पेंशन) नियम-बली 1972 के नियम 30 के अंतर्गत जोड़े गये सेवा-वर्षों का लाभ प्राप्त है	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7क	8
26.	मानीटर (विदेशी भाषाएं)	छह	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित	700-40-900- द० 100-40- 1100-50- 1300 २०	लागू नहीं होगा	35 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल की जा सकती है) टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत	आवश्यक (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से अनिवार्य वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी सहित संज्ञा विदेशी भाषा में उपाधि या समतुल्य

7

8

में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो प्रारंभिक और निकोबार द्वीप-समूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

या किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से अनिवार्य/वैकल्पिक विषय के रूप में अंग्रेजी सहित उपाधि या समतुल्य।
(ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से संबद्ध विदेशी भाषा में द्विभाषित स्तर के समतुल्य डिप्लोमा।
(iii) सम्बद्ध विदेशी भाषा से अंग्रेजी में या अंग्रेजी से संबद्ध विदेशी भाषा में अनुवाद/भाषांतरण का 2 वर्ष का अनुभव।

टिप्पण :— 1. अर्हताएं, अभ्यर्था सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की वक्ता में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।

टिप्पण :— अनुभव संबंधी अर्हता संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जमातियों के अभ्यर्थियों के मामले में उस वक्ता में शिथिल की जा सकती है, जबकि अयोग के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि इनके लिए भारभित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।

पाठनीय :

एक या अधिक समाचार माध्यमों का अनुभव।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की वक्ता में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की वक्ता में वे श्रेणियां जिन्हें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा
---	-------------------------------	--	---	---	--

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति में पुष्टि पर विचार करने के लिए निम्नलिखित होंगे:— 1. निवेशक, समाचार सेवा प्रभाग, नई दिल्ली—अध्यक्ष	चयन, संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके किया जायेगा। इन नियमों के किसी उप-बंध को संशोधित/शिथिल करते समय भी संघ लोक सेवा आयोग

13

14

2. संयुक्त निदेशक, समा- से परामर्श करना
चार सेवा प्रभाग, नई आवश्यक है।”
दिल्ली—सदस्य

3. निदेशक, मानीटरी सेवा
प्राकाशवाणी, शिमला
—सदस्य

टिप्पण : सीधे भर्ती किए
जाने वाले सदस्यों की
पुष्टि से संबंधित विभा-
गीय प्रोन्नति समिति की
कार्यवाहियां आयोग को
अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी।

[सं० 12019/9/77-बी (ए)]

भार० बी० जोशी, भवर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 9th January, 1981

G.S.R. 127.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Group 'A' Posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (1) These rules may be called the All India Radio (Group 'A' Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Group 'A' Posts) Recruitment Rules, 1963, after serial number 25 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be inserted, namely:—

SCHEDULE**Recruitment Rules for the post of Monitor (Foreign Languages)**

S. No.	Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	7a	8
“26.	Monitor (Foreign Languages)	Six	General Central Service, Group 'A' Gazetted	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.	Not applicable	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. servants). Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep.	No	Essential : (i) Degree in the foreign language concerned with English as a compulsory or elective subject from a recognised University or equivalent. Or Degree with English a compulsory or elective subject from a recognised University or equivalent. (ii) Diploma equivalent to interpretorship standard in the foreign language concerned from a recognised University or Institution.

(iii) 2 years' experience of translation or interpretation from the foreign language concerned into English or vice-versa.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Experience in one or more information media.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion or by transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'A' Departmental Promotion Committee for considering confirmation : 1. Director, News Services Division New Delhi—Chairman 2. Joint Director, News Services Division, New Delhi—Member 3. Director, Monitoring Services, All India Radio, Simla—Member Note : The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation of direct recruits shall be sent to the Commission for approval.	Selection shall be made in consultation with Union Public Service Commission. Consultation with the Commission also necessary for amending or relaxing any of the provisions of these rules.

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1981

सा० का० वि० 128.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा भारतीय रेल कामिक सेवा भर्ती नियम, 1975 में और प्रागे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (i) ये नियम भारतीय रेल कामिक सेवा भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 कहलायेंगे।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय रेल कामिक सेवा भर्ती नियम, 1975 में, अनुसूची II में पैरा 11 के अन्त में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायेगा,

“किन्तु इस नियम के अंतर्गत कोई शक्ति अधिरोपित नहीं की जाएगी सिवाय इसके उपरान्त

(i) कि उस संघ में उम्मीदवार को उसके इच्छानुसार लिखित अभ्यावेदन देने का एक अवसर प्रदान किया गया हो, और

(ii) इसके लिए अनुमत अवधि के भीतर उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो, विचार कर लिया गया हो।

[स० 79/ई (जी धारा) 1/31/8]

भार० रामानाथन, उप निदेशक, स्थापना (राज०)

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 15th January, 1981

G.S.R. 128.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Railway Personnel Service Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (i) These rules may be called the Indian Railway Personnel Service Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Railway Personnel Service Recruitment Rules, 1975 the following proviso shall be added at the end of para 11 in Schedule II.

“Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after.

(i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

(ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate within the period allowed to him into consideration.”

[No. 79/E(GR) I/31/8]

R. RAMANATHAN, Deputy Director, Establishment (Gaz.)

अस मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1981

सा० का० वि० 129.—कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 7 की उप-धारा (1) के साथ पठित धारा 6-क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,

केन्द्रीय सरकार कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इस स्कीम का नाम कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन (संशोधन) स्कीम, 1981 है।

(ii) यह पहली मार्च, 1980 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

2. कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन स्कीम, 1971 में :—

(i) पैराग्राफ 28 के उप-पैराग्राफ (1) और पैराग्राफ 34 के उप-पैराग्राफ (1) में तात्पर्य से, “40 रुपये” शब्दों और अंकों के स्थान पर, “60 रुपये” शब्द और अंक रखे जाएंगे;

(ii) पैराग्राफ 31 में, “1000 रुपये” शब्दों और अंकों के स्थान पर “2000 रुपये” शब्द और अंक रखे जायेंगे।

[संख्या एस-35011/6/80-एफ०पी०जी०]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 13th January, 1981

G.S.R. 129.—In exercise of the powers conferred by section 6-A read with sub-section (1) of Section 7 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Employees' Family Pension Scheme, 1971, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Employees' Family Pension (Amendment) Scheme, 1981.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 1st day of March, 1980.

2. In the Employees' Family Pension Scheme, 1971,—

(1) In the Table in sub-paragraph(1) of paragraph 28 and in sub-paragraph (1) of paragraph 34, for the letters and figures, “Rs. 40”, the letters and figures, “Rs. 60”, shall be substituted;

(2) In paragraph 31, for the letters and figures, “Rs. 1000”, the letters and figures “Rs. 2000”, shall be substituted.

[File No. S. 35011/6/80-FPG]

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1981

सा० का० वि० 130.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 7 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1 (i) इस स्कीम का संशोधित नाम कर्मचारी भविष्य निधि (द्वितीय संशोधन) स्कीम 1981 है।

(ii) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 के पैरा 26 में :—

(क) “छह मास की निरंतर सेवा” शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी वे आते हैं “तीन मास की निरंतर सेवा” शब्द रखे जाएंगे;

(ख) “छह मास की अवधि या कम के भीतर 120 दिन” शब्दों और अंकों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी वे आते हैं, “तीन मास की अवधि या कम के भीतर 60 दिन” शब्द और अंक रखे जाएंगे।

(ग) उसी पैरा के स्पष्टीकरण 2 में :—

(i) “120 दिन” अंकों और शब्द के स्थान “60 दिन” अंक और शब्द रखे जाएंगे,

- (ii) उक्त पैरा के प्रथम परन्तुक में, "120" शब्दों और "छह मास" शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी वे आते हैं, क्रमशः "60" शब्द और "तीन मास" शब्द रखे जाएंगे ;

2. (2) उक्त स्कीम के पैरा 80 के उप पैरा 3 में :—

- (क) "छह मास की निरंतर सेवा" शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी वे आते हैं, "तीन मास की निरंतर सेवा" शब्द रखे जाएंगे ।
 (ख) "छह मास या कम की अवधि के भीतर 120 दिन" शब्दों के स्थान पर, जहाँ कहीं भी आते हैं "तीन मास या कम की अवधि के भीतर 60 दिन" शब्द रखे जाएंगे ;
 (ग) स्पष्टीकरण 2 में, "120 दिन" शब्दों और शब्द के स्थान पर "60 दिन" शब्द और शब्द रखे जाएंगे ।

[सं एन-70012(3)/78-पी एफ II]

नवीन चावला, उपाय सचिव

New Delhi, the 16th January, 1981

G.S.R. 130.—In exercise of the powers conferred by section 5 read with sub-section (1) of Section 7 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Employees' Provident Funds Scheme, 1952, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Employees' Provident Funds (Second Amendment) Scheme, 1981.

(ii) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

(iii) In paragraph 26 of the Employees' Provident Funds Scheme, 1952,

- (a) for the words "six months continuous service" wherever they occur, the words "three months continuous service" shall be substituted ;
 (b) for the figures and words, "120 days within a period of six months or less", wherever they occur, the figures and words, "60 days within a period of three months or less", shall be substituted.
 (c) in Explanation II of the same paragraph :—
 (i) for the figures and word "120 days", the figures and word "60 days" shall be substituted ;
 (ii) in the first proviso of the same paragraph, for the figures "120" and the words "six months", wherever they occur, the figures "60" and the words "three months" shall respectively be substituted.

2. In sub-paragraph 3 of paragraph 80 of the said Scheme :—

- (a) for the words "six months' continuous Service", wherever they occur, the words "three months' continuous service" shall be substituted ;
 (b) for the figures and words, "120 days during a period of six months or less" wherever they occur, the figures and words, "60 days during a period of three months or less" shall be substituted ;
 (c) in Explanation II, for the figures and word "120 days" the figures and word "60 days" shall be substituted.

[No. S. 70012(3)/78-PF. II]

NAVIN CHAWLA, Dy. Secy.

